सब दुष्ट और बुरी बातें संसार में कैसे आयी

प्रार्थना: प्रिय प्रभु, कृपया इस पाठ का उपयोग बच्चों को यह चेतावनी देने के लिए कर उनका पाप, आदम के पाप के समान उन्हें तुझसे दूर कर देना है और सर्वदा के लिए तेरे साथ रहने के लिए उन्हें तेरी क्षमा की आवश्यकता है

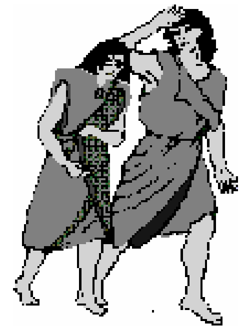

बड़े बच्चे या शिक्षक को उत्पत्ती 3 में से आदम और हव्वा के अवज्ञा के विषय में कहानी बताने दें। यह कहानी बताती है की शैतान ने किस प्रकार सांप का शरीर

धारण करके आदम और हव्वा को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए परीक्षा में डाला। क्यों कि परमेश्वर पवित्र है, उसे उन्हें अपनी उपस्थिती से दूर करके मरने ही देना ठीक था।

कहानी बताने के बाद यह प्रश्न पूछें। *(उत्तर प्रत्येक प्रश्न के बाद है)*

- हव्वा को कैसे पता चला की परमेश्वर नहीं चाहता की वह फल खाएं? *(देखें पद 3)*
- हव्वा के मन में फल खाने की इच्छा उत्पन्न करने के लिए शैतान ने क्या झूठ बोला? *(पद 4-5)*
- आदम ने फल क्यों खाया? *(पद 6)*
- आदम और हव्वा ने आज्ञा का उल्लंध करने के लिए किसे दोषी ठहराया? *(पद 12-13)*
- परमेश्वर ने शैतान को क्या बताया की स्त्री का बालक उसे क्या करेगा? *(पद 15)*
- हव्वा का दण्ड क्या होगा ऐसा परमेश्वर ने बताया? *(पद 16)*
- परमेश्वर ने क्या बताया की आदम का दण्ड क्या होगा? *(पद 17)*
- उन्हें बगीचे में परमेश्वर की उपस्थिती से क्यों जाना पड़ा? *(पद 22-24)*

उत्पत्ती 3 में से मूल पाप के विषय में नाटक करें

- मुख्य आराधना के अगुवे के साथ योजना बनाएं की बच्चे यह नाटक बड़ों के सामने प्रस्तुत कर सकें। आपको सभी भाग करने की आवश्यकता नहीं है।
- अपने समय का कुछ भाग बच्चों के साथ नाटक करने में व्यतित करें।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की मदद करें।
- बड़े बच्चे या वयस्क, वाचक, आदम, हव्वा (कुछ पत्ते लें), परमेश्वर की आवाज़ और सांप (फल को दर्शाने के लिए कुछ में) की भूमिका करें।
- छोटे बच्चे प्राणि और स्वर्गदूत की भूमिका करें (तलवार पकड़े)।

वाचक : कहानी का पहला भाग उत्पत्ती 3:1-6 से पढ़े। फिर कहें, "आदम ने प्राणियों को बगिचे में नाम दिए। देखें प्राणि कैसे चलते हैं।"

प्राणि : एक या अधिक बच्चे प्राणि की तरह चले। प्राणि की आवाज़ें निकालें।

आदम : प्रत्येक जानवर की ओर इशारा करके पूछें, "मैं इसे क्या नाम दूं?" (व्यक्ति को उत्तर देने दें)

वाचक : "शैतान ने सँप का शरीर धारण किया। सुनो वह क्या कहता है।"

साँप : ज़ोर से सांप की आवाज़ करें। फिर कहें, "हव्वा! सुन!" (आवाज़ करके फल हव्वा की ओर करें) "क्या परमेश्वर ने कहां की इस बगिचे से कोई फल न खाना?"

हव्वा : "वाह! क्या ही सुंदर सांप!" (फल की ओर इशारा करें) "नहीं! परमेश्वर ने कहा हम बगिचे के मध्य पेड़ का फल छोड़ कोई भी फल खा सकते हैं। यदि हम उसे खाएंगे तो मर जाएंगे।"

साँप : ज़ोर से फूँफकार करे। फिर कहें, "नहीं, हव्वा। तुम नहीं मरोगी। तुम परमेश्वर के समान बुद्धिमान बन जाओगी। तुम जानोगी की पाप क्या है! (दुष्टता से हंसे)

हव्वा : "फल तो स्वादिष्ट दिखता है। मैं जानना चाहती हूँ। मैं सीखना चाहती हूँ की पाप कैसा है। परमेश्वर ने क्या कहा इसकी मुझे चिंता नहीं है। मैं उसकी अवज्ञा करूंगी और जो मन चाहे सब खाऊंगी!"

हव्वा : फल लेने की नकल करें, उसमें से थोड़ा खा लें, और फिर आदम को दें। कहें, "आदम! यह स्वादिष्ट फल मेरे साथ मिलकर खाओ।"

आदम : "हव्वा परमेश्वर ने इसको खाने के लिए मना किया है। लेकिन मैं आज्ञा पालन नहीं किया, शायद तुमने भी। मैं भी पाप क्या होता है, जानना चाहता हूँ कि इसमें क्या बुराई है।"

साँप : हँसते हुये फूँफकारता है। कहता है, तुमने परमेश्वर की आज्ञा न मान ने को चुना। अब वह तुम्हें अपने पास से सदा के लिए हटा देगा। (फुंकारता और हँसता है)

वाचक : उत्पत्ति 3:7-13 को पढ़कर कहानी का दूसरा भाग बतायें।

आदम : "हव्वा! हमने यह क्या किया? हमने परमेश्वर की आज्ञा को तोड़ा अब मुझे नंगापन महसूस होता है।"

हव्वा : "यहाँ कुछ अंजीर के बड़े बड़े पत्ते हैं मैं उनको जोड़कर सी दूंगी जिससे हमारे लिए वस्त्र बन जायेगें।"

परमेश्वर की आवाज़ : चिल्लाते हुये। "आदम। आदम। तू कहाँ है? मैं इस बाग में जिसे मैंने तुम्हारे आनन्द करने को बनाया है, तेरे संग संग घूमने आया हूँ।"

आदम : "मैं डर गया था क्योंकि मैं नंगा था। इसलिय मैं छिप गया।"

परमेश्वर की आवाज़ : "तुम्हें किसने बताया कि तुम नंगे थे? क्या तुमने वह फल खाया, जिसे मैंने तुम्हें खाने को मना किया था?"

आदम : "हव्वा ने मुझे खाने को दिया।"

हव्वा : "सांप ने मुझसे झूठ बोला। उसने कहा कि वह फल हमारे लिये अच्छा होगा।"

वाचक : उत्पत्ति 3:14-24 में से पढ़कर कहानी का तीसरा भाग कहें। फिर कहें, "परमेश्वर ने आदम और हव्वा के लिये जानवरों की खाल के वस्त्र बनाये। सुनो वह क्या कहता है।"

परमेश्वर की आवाज़ : "साँप तू मिट्टी में लोटेगा; और हव्वा का वंशज तुझे कुचलेगा। हव्वा तूने मेरी आज्ञा नहीं मानी तुझे बच्चा पैदा करते हुये दर्द का सामना करना पड़ेगा। आदम तुझे जीवन निर्वाह के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। जाओ तुम लोग इस बाग में और अधिक समय तक नहीं रह सकते।"

स्वर्गदूत : आदम की ओर तलवार को लहराते हुये कहता है, "तुने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। इसलिये तुम परमेश्वर की उपस्थिति में और अधिक नहीं रह सकते जहाँ तुम्हें सदा के लिये रहना था।"

वाचक : सभी का जिन्होंने नाटक में सहायता की और श्रोताओं को जिन्होंने इसको सुना, धन्यवाद।

प्रश्न : यदि बच्चे यह नाटक श्रोताओं के लिये करते हैं तो ऊपर दिये गये प्रश्न श्रोताओं से पूछें।

दुष्टअन्त: एक बच्चा जिसकी पीठ पर एक बड़ी बोरी लदी थी जिसमें पीछे की और गाँठ लगी हुई थी। वह बच्चा बहुत से लोगों के पास जाता है और पूछता है, "मैं किस प्रकार इस दुख: भरे पाप के बोझ

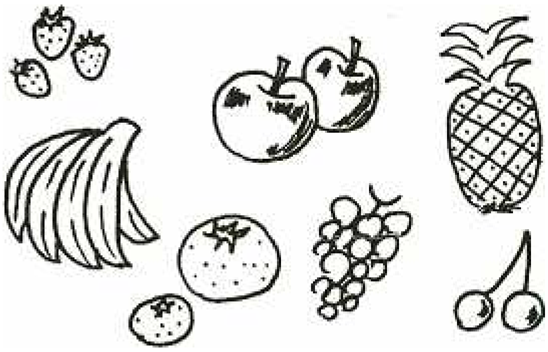

से छुटाकारा पाऊँगा?" (उनको उत्तर देने दीजिये) एक दूसरा बच्चा एक चाकू लेकर समझाता है, "यह तलवार जो परमेश्वर की है वह परमेश्वर का वचन है। यह हमें बताता है कि यीशु का लहू हमारे पापों को धो डालता है।" (काटते हुये या खोलते हुये उस गाँठ को और बोरी नीचे गिर जाती है।)

बच्चे एक चित्र बनाये एक साँप का या किसी फल का। दूसरी आने वाली आराधना के समय श्रोताओं को वे चित्र दिखायें और समझायें कि यह दृष्टअन्त समझाता है कि शैतान हमें किस प्रकार लोभ देता है।

छोटे छोटे बच्चे रोमियो 3:23 याद करें और बड़े बच्चे रोमिया 5:12 याद करें।

तर्क वित्तर्क : बच्चो से कहें, "आज भी लोग परमेश्वर की आज्ञाओ को किस प्रकार तोड़ते हैं।"

कविता : तीन बच्चे उच्चारण करे भजन संहिता 53:1-3 आयतों को।

प्रार्थना : "प्यारे परमेश्वर हमने आपकी आज्ञाओं को बहुत बार तोड़ा है। हम शैतान के दास बन गये। प्रभु यीशु मसीह को भेजने के लिये धन्यवाद, हव्वा का एक वंशज जिसने शत्रु के सिर को क्रूस पर कुचला और हमें स्वतन्त्र किया।"